17 अगस्त को जारी मिनिस्ट्री ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स की रिपोर्ट में हुई पुष्टि

यूपी आर्थिक उड़ान पर, जुलाई में रिकॉर्ड 1838 कंपनियां खुलीं

सुधार

कानपुर | **अभिषेक गुप्ता**

कोरोना काल में कारोबार के लिहाज से यूपी ने विकसित राज्यों को भी पीछे छोड़ दिया। जुलाई में नई कंपनियां खुलने में प्रदेश सारे रिकॉर्ड ध्वस्त करते हुए दूसरे नंबर पर आ गया। महाराष्ट्र अभी भी नंबर एक पर है। तमिलनाडु, दिल्ली, गुजरात, बंगाल, एमपी, हरियाणा तो यूपी के आसपास भी नहीं रहे।

मिनिस्ट्री ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स की रिपोर्ट में यह सामने आया है। महामारी के दौरान भले ही व्यापार पर ग्रहण लगा हो पर प्रदेश सरकार की नीतियों को इंडस्ट्री ने हाथों-हाथ लिया। यही वजह है कि महाराष्ट्र के बाद सबसे ज्यादा नई कंपनियां उत्तर प्रदेश में खुलीं, यहां जुलाई में 1838 नई कंपनियों का पंजीकरण हुआ। इनके जरिए सिर्फ एक महीने में 15 हजार करोड़ का निवेश हुआ। वहीं, महाराष्ट्र में 2782 नई कंपनियां पंजीकृत हुईं और 1.41 लाख करोड़ का निवेश हुआ। कारोबारी लिहाज से इसे अच्छा संकेत बताया जा रहा है।

02 नंबर पर पहुंचा प्रदेश कई विकसित राज्यों को पीछे छोड़ा

15 हजार करोड़ रुपये का निवेश केवल एक महीने में यहां आया

औद्योगिक विकास तेज

कंपनियां खुलने के बाद बंद होने की रफ्तार सबसे ज्यादा दिल्ली में है। बंद होने की रफ्तार वाले प्रदेशों की सूची में यूपी नंबर 9 पर है यानी यहां पर कंपनियां खुलने की रफ्तार ज्यादा है और बंद होने की सबसे कम, जो औद्योगिक विकास के लिए अच्छा संकेत है।

रिपोर्ट कार्ड अच्छा रहा

सक्रिय कंपनियों की संख्या के मामले में भी यूपी का रिपोर्ट कार्ड अच्छा रहा है। एक तरफ देश के 25 राज्यों में निष्क्रिय कंपनियों की संख्या बढ़ रही है, वहीं उत्तर प्रदेश में सक्रिय कंपनियों की संख्या में अप्रत्याशित रूप से इजाफा हुआ है। ऐसे में हालत बेहतर होंगे।

बिजनेस सर्विस की कंपनियां सबसे ज्यादा : पंजीकृत नई कंपनियों में सर्वाधिक संख्या (26 फीसदी) बिजनेस सर्विस से जुड़ी यानी ऑनलाइन सेवा देने वाली हैं। दूसरे नंबर पर 21 फीसदी शेयर के साथ मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर है।

बंद कंपनियां भी कम हैं

राज्य	बंद कंपनियां
दिल्ली	3.67 लाख
महाराष्ट्र	1.54 लाख
कर्नाटक	1.42 लाख
गुजरात	1.17 लाख
प. बंगाल	75919
तमिलनाडु	69287
हरियाणा	61931
तेलंगाना	46309
यूपी	37151

नोट :-ये पांच वर्ष में बंद कंपनियों की संख्या है

सक्रिय कंपनियों में चार नंबर पर

राज्य	सक्रिय कंपनियां
महाराष्ट्र	2.69 लाख
दिल्ली	2.20 लाख
प. बंगाल	1.34 लाख
यूपी	1 लाख
कर्नाटक	94000
मध्य प्रदेश	30000